विभिन्न श्रेणियों में खपाया जा रहा है, खपाये जाने पर वे भी इंडियन एयरलाइन्स के कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों और सुविधाओं के पात्र होंगे।

Use of emergency Air Strips

2146. SHRI T. VENKATRAM REDDY: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state that the policy of giving permission to private operators to use World War II Emergency Air Strips, within the perview of the Ministry in the States of Maharashtra and Andhra Pradesh?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): There is only one air strip namely, Sholapur in Maharashtra and three airstrips, namely, Cuddappah, Donakonda and Warangal in Andhra Pradesh belonging to National Airports Authority (NAA), which are lying unused. Airlines are required to approach NAA for starting operations from these airstrips. Since these are not in operational condition these will have to be developed first.

Air India Cabin crew OH Mass Leave

2147, MISS SAROJ KHAPARDE:
SHRI KRISHAN LAL SHARMA:
DR. BAPU KALDATE:

Will theMinisterof CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether the Air India cabin crew had recently resorted to sick leave tactics;

(b) if so, what is the number of the Air India cabin crew which proceeded on sick leave during the last six months or so starting the Air India routes which were affected as a result thereof; and

(c) what measures have been taken to discourage such tendencies among the cabin crew?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) During the last 6 months instances of cabin crew taking sick leave only a few hours prior to the scheduled departure with a view to disrupt flights, occurred in February, 1995 which resulted in delay of 43 flights and cancellation of 18 flights, all over the network of Air India.

(c) After negotiations with the Air India cabin crew association a joint committee has been set up comprising representatives of the Air India Management and Cabin Crew Assocation to discuss all the issues relating to the cabin crew and to resove them amicably.

विमान दुर्घनाओं से एअर इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स को होने वाला आर्थिक नुकसान

2148. श्री दिलीप सिंह जूदेव: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) एअर इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स के विमानों को दुर्घनाओं के परिणामस्वरूप वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक कितनी राशि मुआवजे के रूप में दी गई और विमानों के नष्ट होने के फलस्वरूप इन्हें कितनी राशि का नुकसान हुआ;

(ख) विमानों को बीमा के कारण कितनी राशि दोनों विमान कंपनियों को प्राप्त हुई तथा अभी कितनी राशि प्राप्त होना शेष है; और

(ग) 31 जुलाई, 1994 की स्थिति के अनुसार दावा प्राधिकरणों और उपभोक्ता संरक्षण परिषदों के समक्ष विमान दुर्घटनाओं के कारण हुई मौतों, विकलांगताओं, आर्थिक हानियों और यात्रियों को हुई असुविधाओं के कितने मामले लंबित थे?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के दौरान एअर इंडिया के विमानों की कोई दुर्घटनाएं नहीं हुई। इंडियन एयरलाइन्स के तीन विमानों के संबंध में जो क्रमश: 16.8.91, 24.4.93 और 15.11.93 को दुर्घनाग्रस्त हो गये थे, अब तक अदा किया गया मुआवजा 524.64 लाख रुपए था।

दोनों एयरलाइनों का विमान बेड़ा पूर्णतया बीमाकृत है। यदि किसी भी विमान को हानि होती है, उसका बीमाकर्ताओं द्वारा पूर्ण मुआवजा दिया जाता है और इस प्रकार के नष्ट होने की स्थिति में एयरलाइन को कोई क्षति नहीं होती है।

(ख) दुर्घटनाग्रस्त तीनों विमानों के संबंध में इंडियन एयरलाइन्स को बीमा कंपनी से बीमा मूल्य की पूरी राशि के रूप में 80 मिलियन अमरीकी डालर प्राप्त हुए है।